Essence Of Murli

04-07-2014

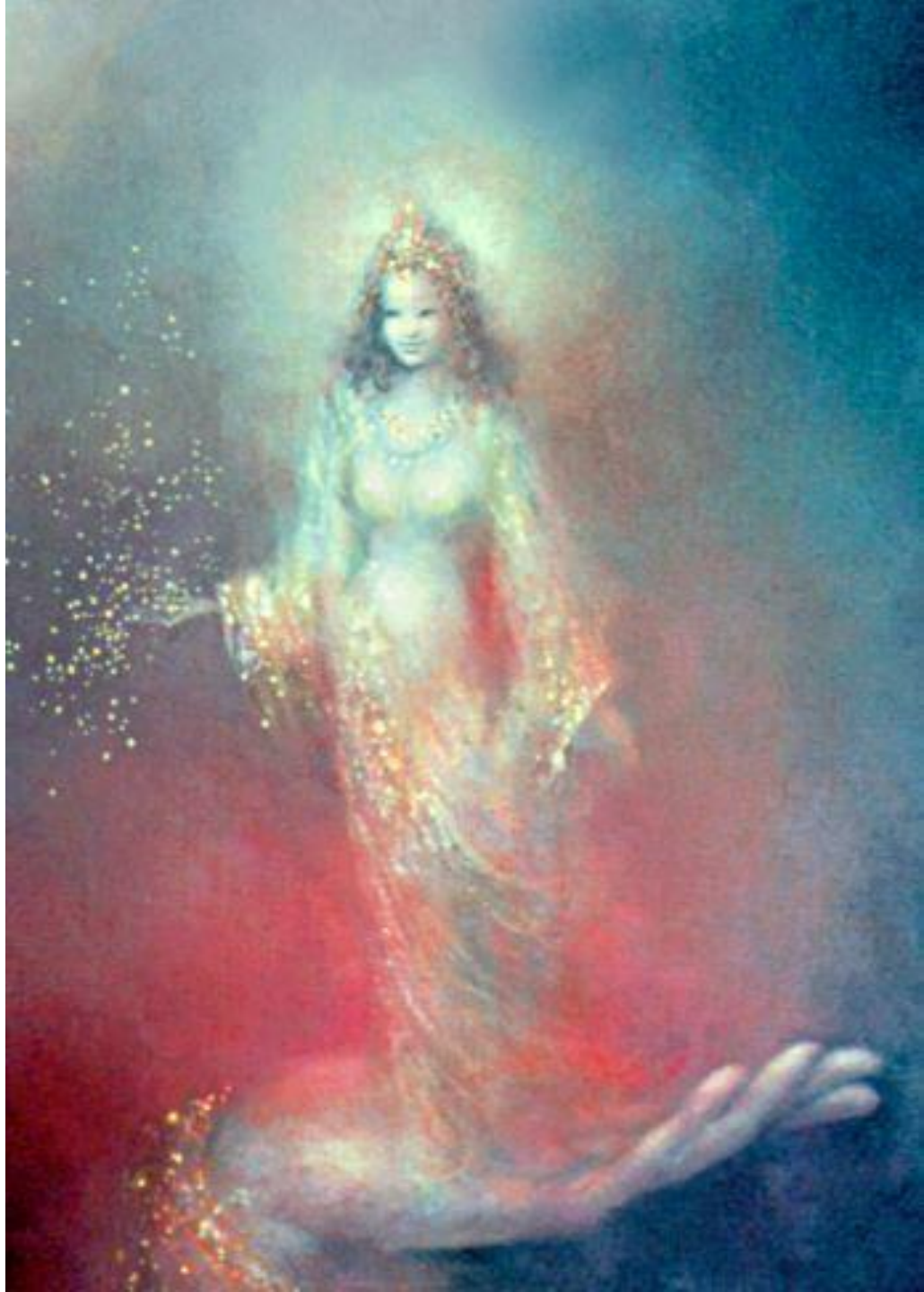

✓आत्मा को, बाप को ही याद करना है, इस दुःखधाम को भूल जाना है | बाप और बच्चों का यह है मीठा सम्बन्ध | इतना मीठा सम्बन्ध और कोई बाप का होता ही नहीं | सम्बन्ध एक होता है बाप से फिर टीचर और गुरु से होता है | अभी यहाँ यह तीनों ही एक हैं | यह भी बुद्धि में याद रहे, ख़ुशी की बात है ना | एक ही बाप मिला हुआ है, जो बहुत सहज रास्ता बताते हैं |

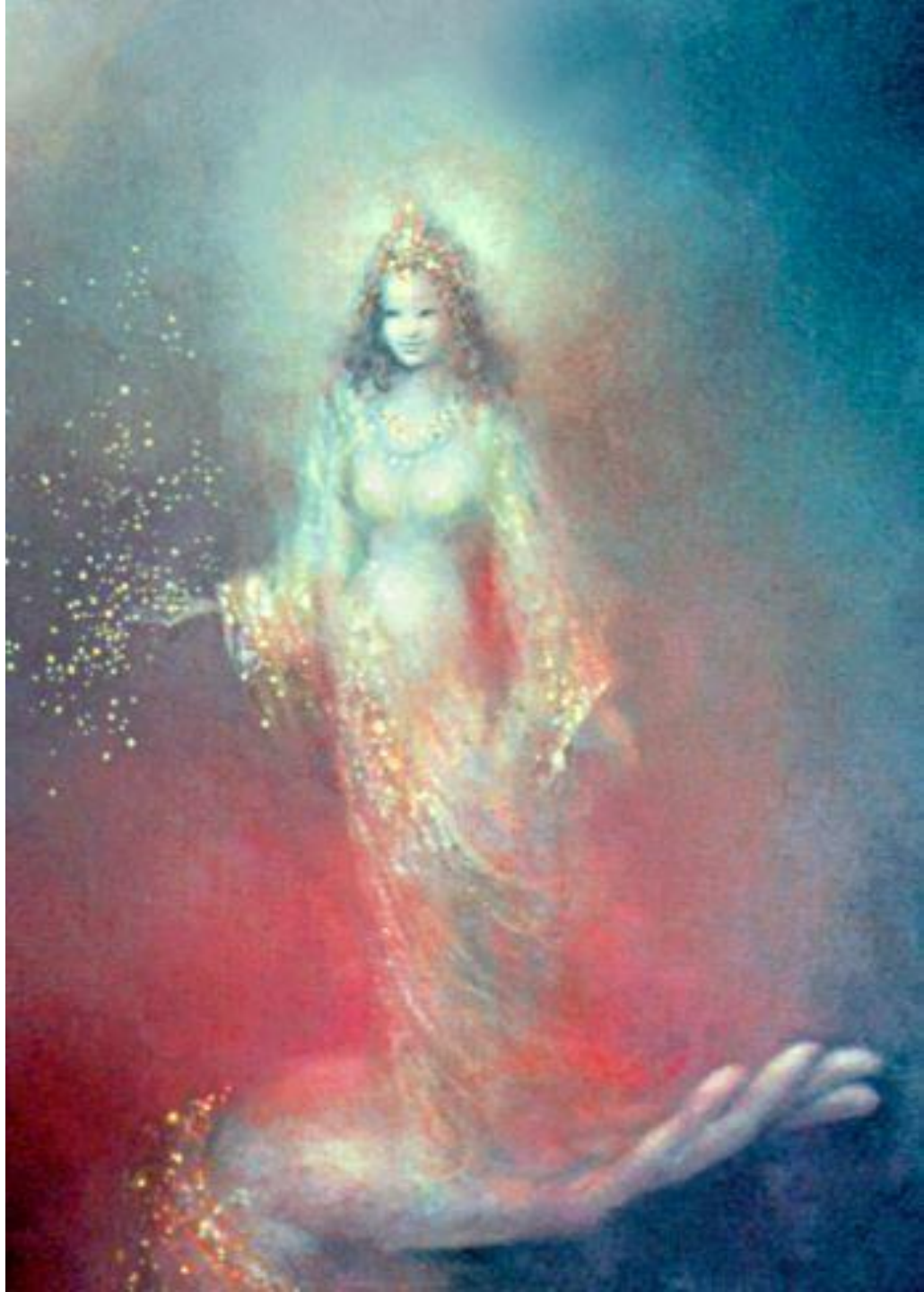

✓बाप को याद करने से सुखधाम और शान्तिधाम दोनों वर्से याद आ जाते हैं | देने वाला तो बाप ही है | याद करने से ख़ुशी का पारा चढ़ेगा | तुम बच्चों की ख़ुशी तो नामीग्रामी है | बच्चों की बुद्धि में है – बाबा हमको घर में फिर वेलकम करेंगे, रिसीव करेंगे, परन्तु उनको, जो अच्छी रीति बाप की मत पर चलेंगे और कोई को याद नहीं करेंगे |

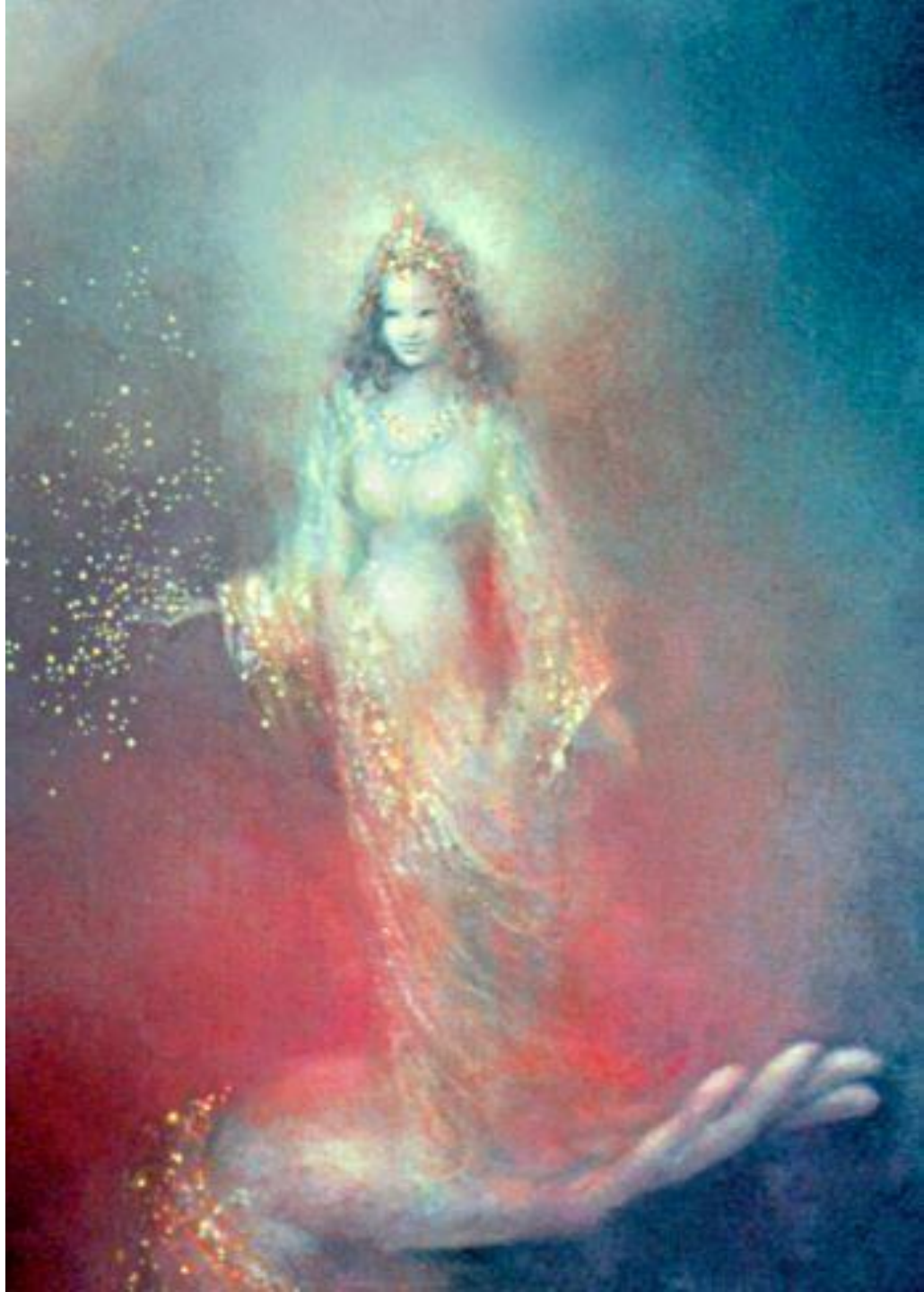

✓अभी बाप कितना सहज रास्ता बताते हैं, सिर्फ़ यह याद करो – बाप, बाप भी है, शिक्षक भी है, सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान सुनाते हैं, जो और कोई समझा न सके | बाप कहते हैं अब घर चलना है | फिर पहले-पहले सतयुग में आयेंगे | इस छी-छी दुनिया से अब जाना है | भल यहाँ बैठे हैं परन्तु यहाँ से अब गये कि गये | बाप भी खुश होते हैं, तुम बच्चों ने बाप को इनवाइट किया है बहुत समय से | अब फिर बाप को रिसीव किया है | बाप कहते हैं मैं तुमको गुल-गुल बनाकर फिर शान्तिधाम में रिसीव करूँगा | फिर तुम नम्बरवार चले जायेंगे |

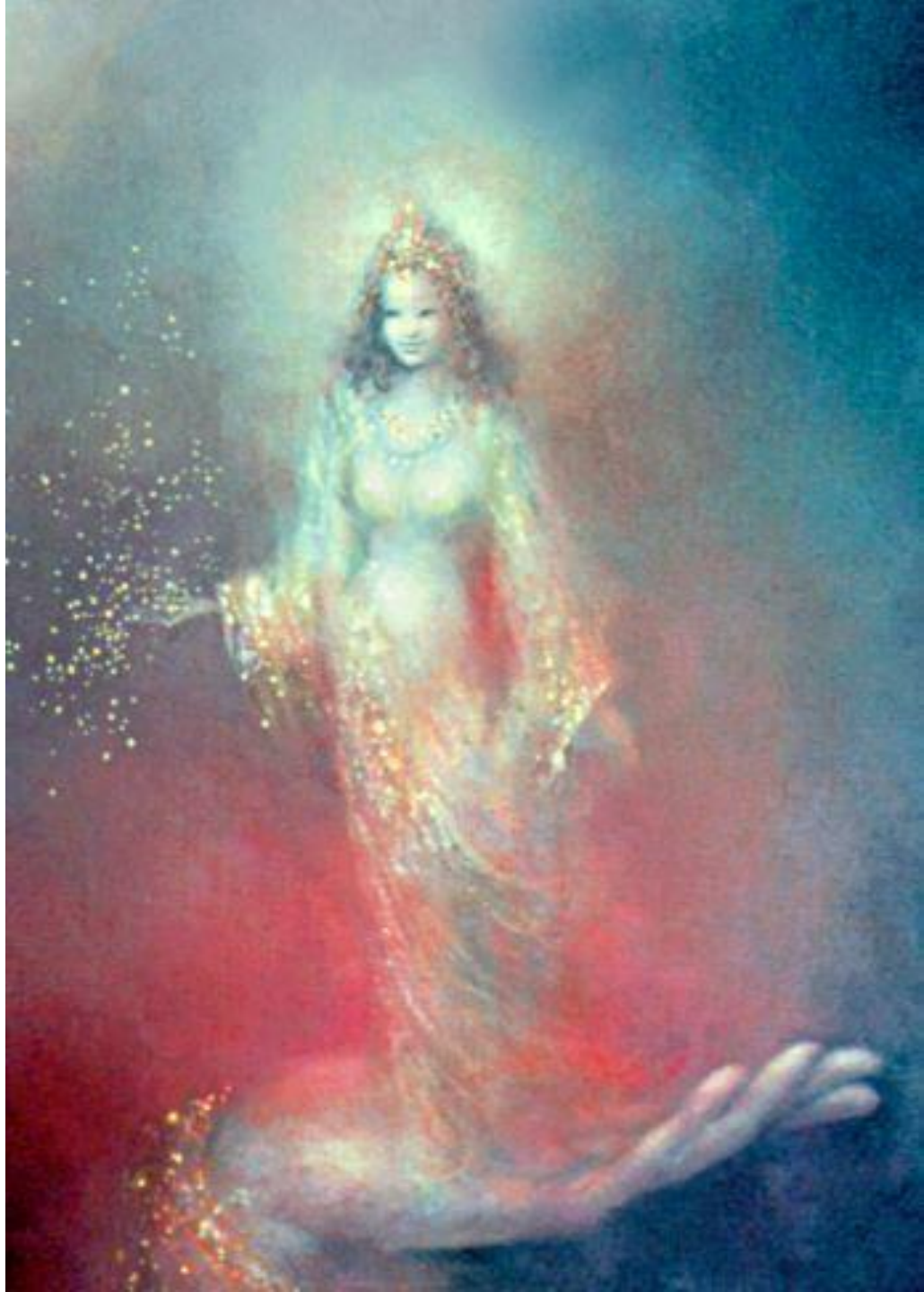

✓तुम जन्म-जन्मान्तर के आशिक हो एक माशूक के | तुम गाते आये हो – बाबा आप आयेंगे तो हम आपके ही बनेंगे | अब वह आये हैं तो एक का ही बनना चाहिए | निश्चयबुद्धि विजयन्ती | विजय पायेंगे रावण पर | फिर जाना है रामराज्य में |कल्प-कल्प तुम रावण पर विजय पाते हो | ब्राह्मण बने और विजय पाई रावण पर | रामराज्य पर तुम्हारा हक़ है | बाप को पहचाना और रामराज्य पर हक़ हुआ |

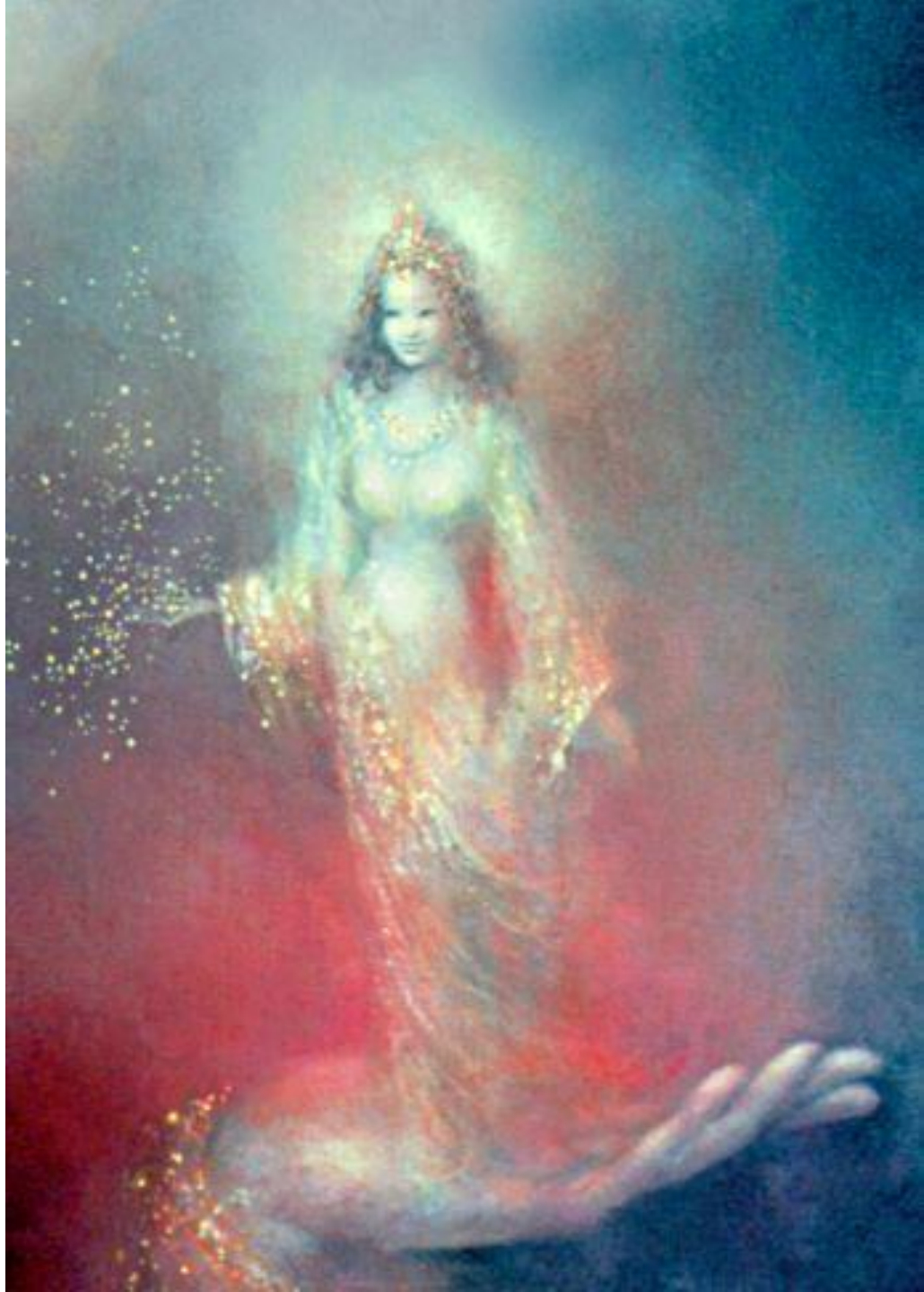

✓बाकी भक्ति मार्ग के शास्त्र भी सबसे जास्ती तुमने पढ़े हैं | सबसे जास्ती भक्ति तुम बच्चों ने की है | अब बाप से आकर मिले हो | बाप रास्ता तो बहुत सहज और सीधा बताते हैं कि बाप को याद करो | बाबा बच्चे-बच्चे कह समझाते हैं | बाप बच्चों पर वारी जाते हैं | वारिस हैं तो वारी जाना पड़े | तुमने भी कहा था बाबा आप आयेंगे तो हम वारी जायेंगे | तन-मन-धन सहित कुर्बान जायेंगे | तुम एक बार कुर्बान जाते हो,बाबा 21 बार जायेंगे |

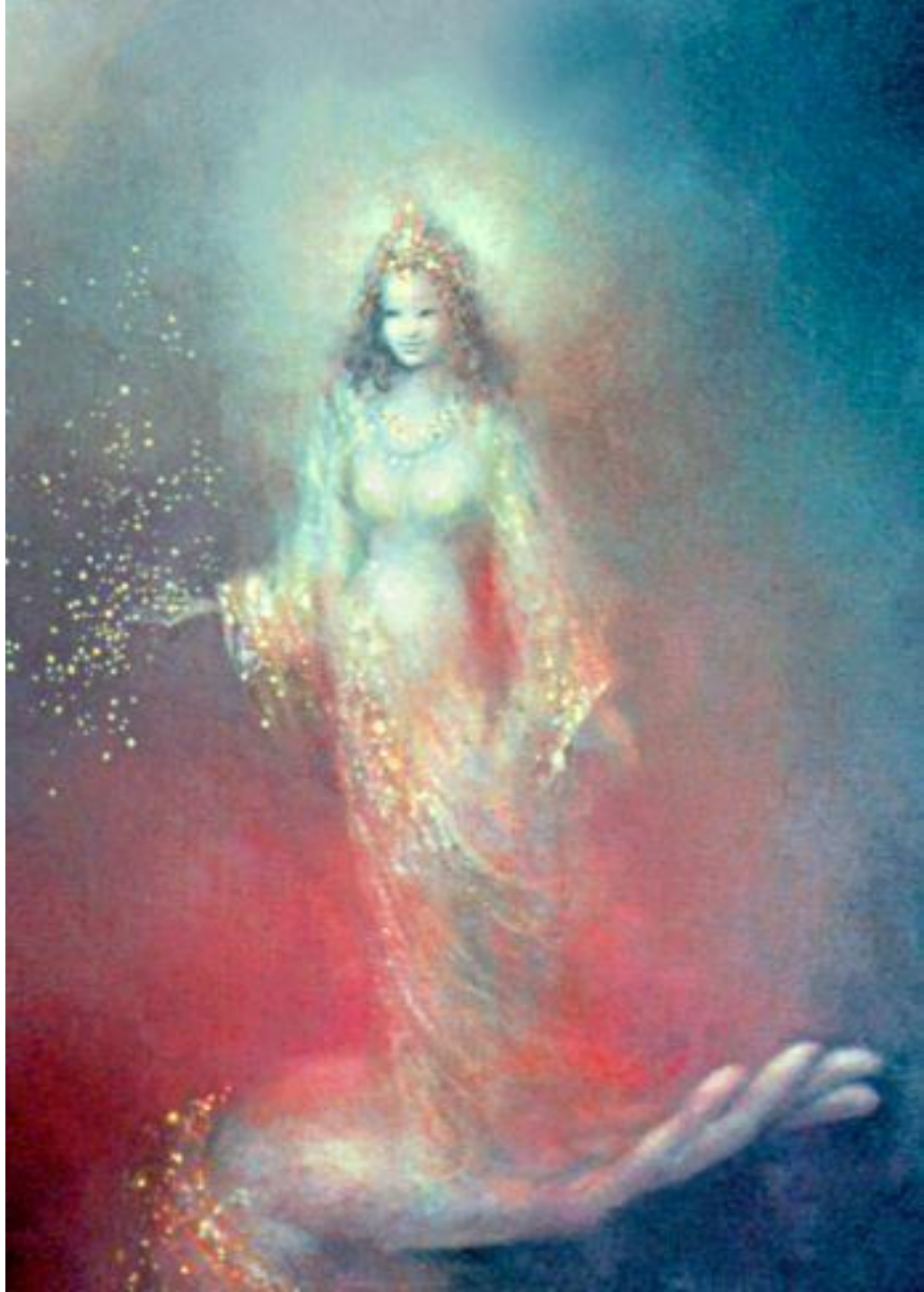

✓बाप कहते हैं मीठे बच्चों, विश्व की बादशाही हमारी जागीर है | अब जितना पुरुषार्थ तुम कर लो | जितना पुरुषार्थ करेंगे उतना ऊँच पद पायेंगे |

✓तुम हो पाण्डव सम्प्रदाय | पाण्डवों का राज्य नहीं था | कौरवों का राज्य था | यहाँ तो अभी राजाई भी ख़त्म हो गई है | अभी भारत का कितना बुरा हाल हो गया है | तुम पूज्य विश्व के मालिक थे अब पुजारी बने हो |

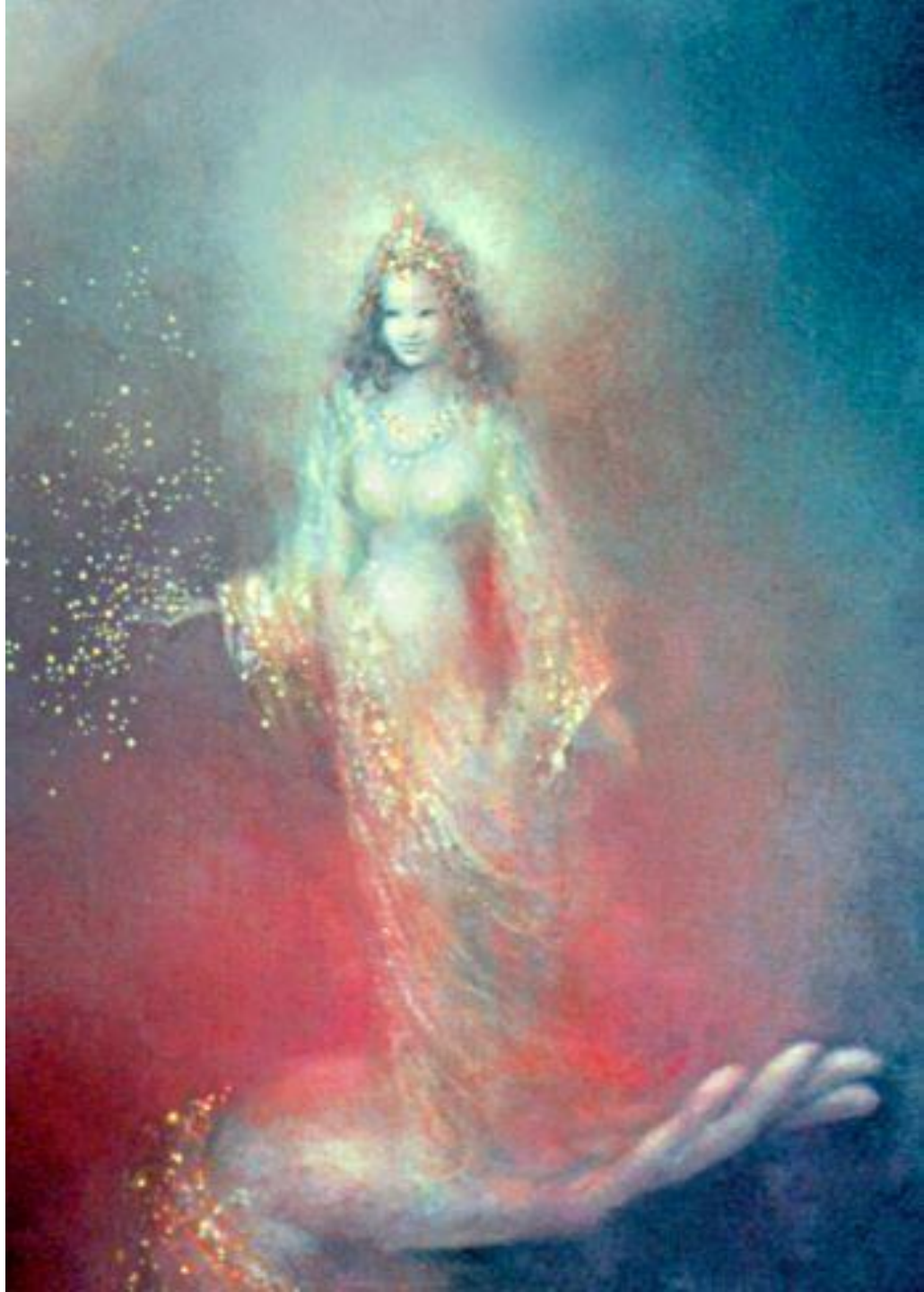

✓बाप बच्चों को सच्ची-सच्ची कहानी बताते हैं | सत्य नारायण की कथा, तिजरी की कथा, अमरकथा मशहूर है | तुमको भी तीसरा नेत्र ज्ञान का मिलता है | उसको तिजरी की कथा कहा जाता है | वह तो भक्ति की पुस्तक बना दी है |

✓बाप तुम्हें कितना समझदार बनाते हैं | यह लक्ष्मी-नारायण समझदार हैं, तब तो विश्व के मालिक हैं | बेसमझ तो विश्व के मालिक हो न सकें | पहले तो तुम काँटे थे, अब फूल बन रहे हो इसलिए बाबा भी गुलाब का फूल ले आते हैं– ऐसा फूल बनना है |

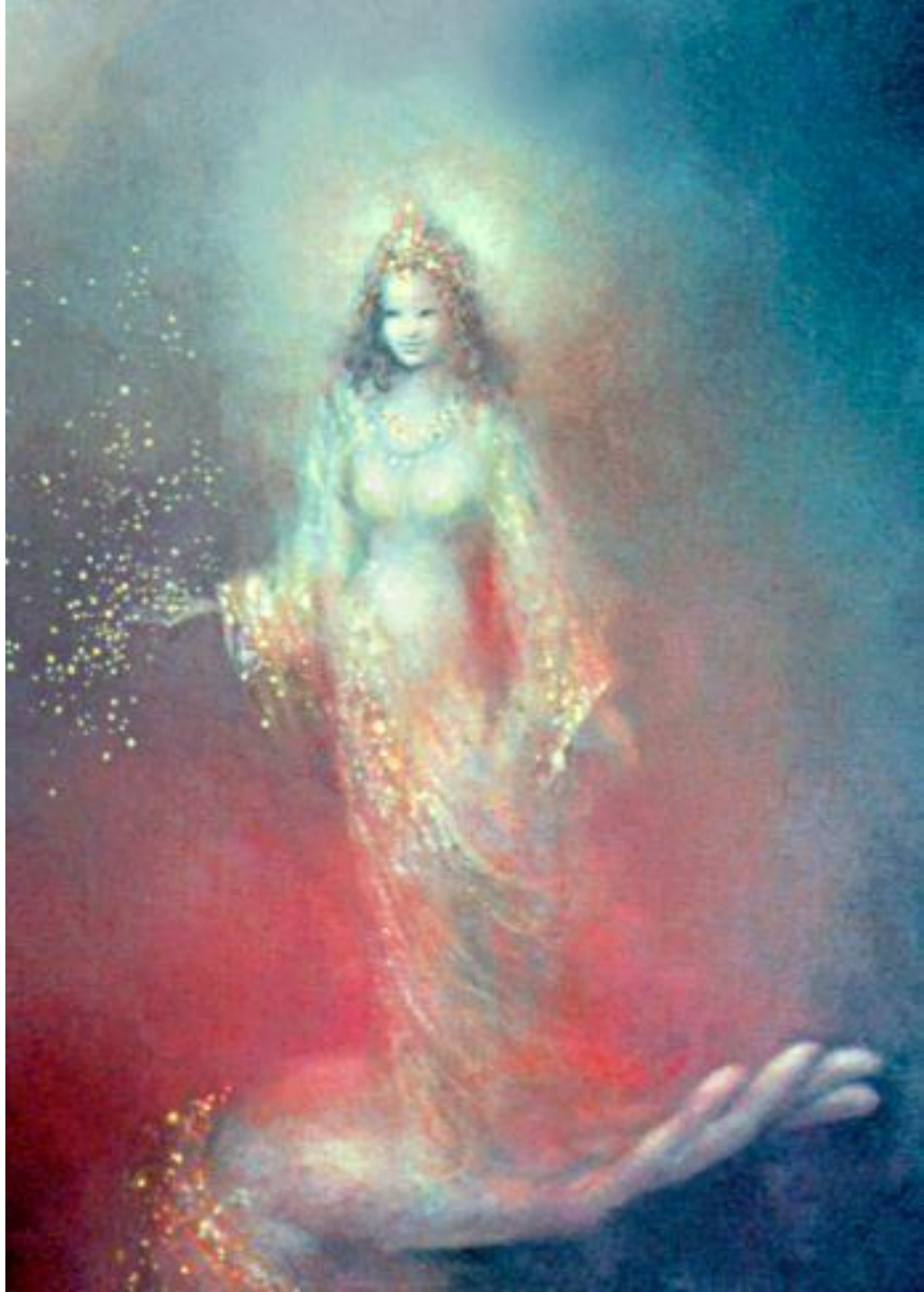

✓बाप भी पक्का व्यापारी है, कोई विरला ऐसा व्यापार करे | होलसेल व्यापारी कोई मुश्किल बनता है | तुम होलसेल व्यापारी हो ना! बाप को याद करते ही रहते हो | कई रिटेल में सौदा कर फिर भूल जाते हैं | बाप कहते हैं निरन्तर याद करते रहो |

✓यह बहुत भारी ख़ज़ाना है, उनसे झोली भरते हैं | अविनाशी ज्ञान रत्न एक-एक लाख रूपये के हैं | तुम पदमापदम भाग्यशाली बनते हो |

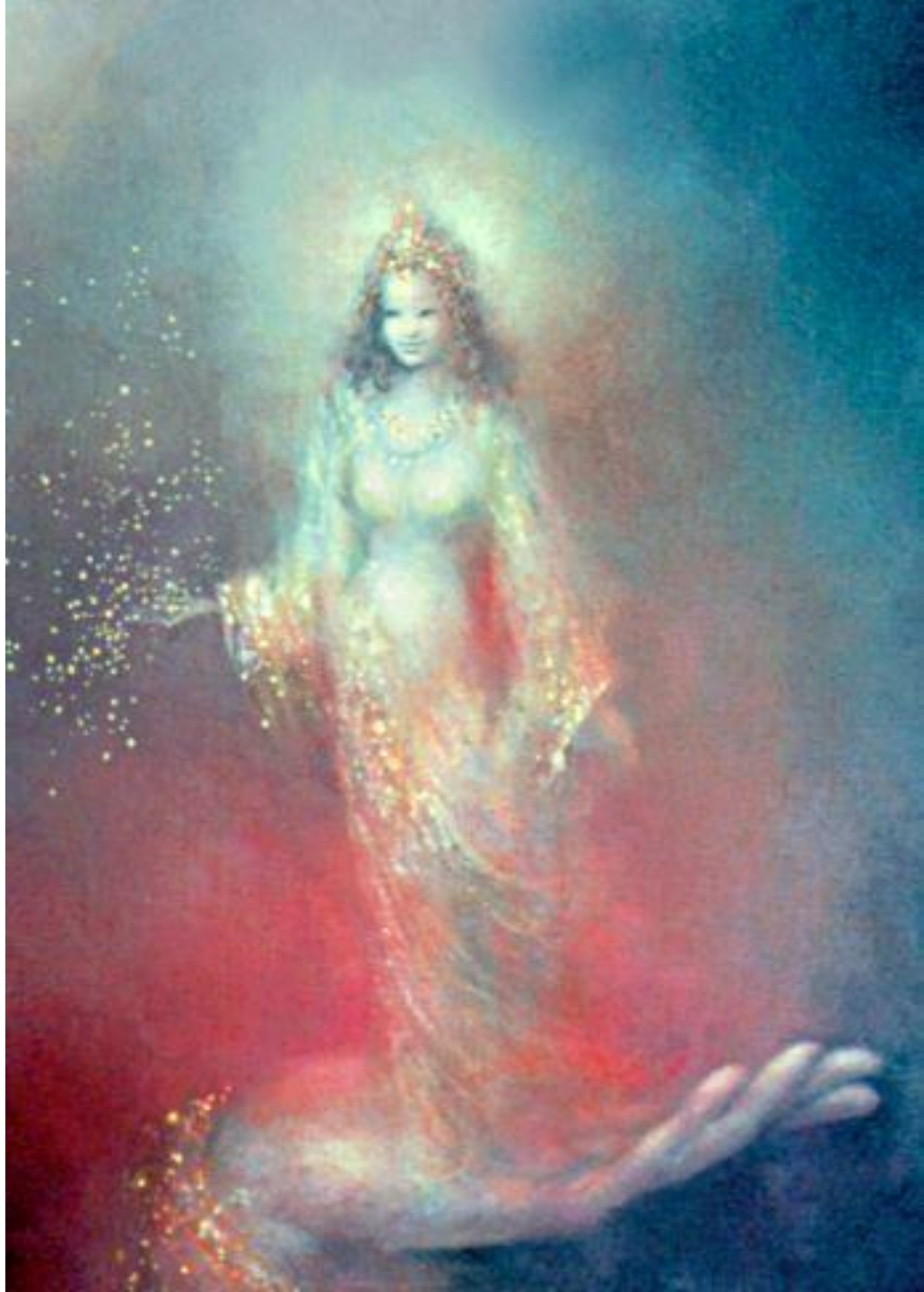

✓वरदान: ज्ञान के साथ गुणों को इमर्ज कर सर्वगुण सम्पन्न बनने वाले गुणमूर्त भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |